HHR17-3-1-HI

श्रृंखला ३: अरमगेदोन, दूसरा आगमन और अनंत भविष्य - कार्यक्रम १

उद्घोषक : आज लगभग आधा मसीही समाज यह विश्वास करता है कि उन के जीवन काल में ही मसीह का दोबारा आगमन हो जाएगा । प्रकाशितवाक्य की पुस्तक कलीसिया के लिए मसीह यीशु के अंतिम वचनों को समाविष्ट करती है । वह भयानक घटनाओं की चेतावनी देते हैं जो विपत्ति के दौरान पृथ्वी पर आएंगे, शैतान का क्या होगा, मसीही विरोधी का क्या होगा, और सभी जो झूठे धर्म का पालन करते हैं । वे बताते हैं कि अर्मगेदोन कि लड़ाई के दौरान क्या होगा, पृथ्वी पर दोबारा आगमन के दौरान, हजार वर्ष के राज्य, अंतिम न्याय, साथ ही वर्णित करते हैं कि परमेश्वर ने अपने लोगों के निमित अनंत काल के लिए क्या योजना बनाई है। इस श्रंखला में हम प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के हर एक अध्याय का गहन अध्ययन करेंगे और इसमे के संदेश और परमेश्वर के इशारों को बेहतर समझने का प्रयास करेंगे।

आज, हम तीसरे भाग की शुरुआत करेंगे जिसे हमने शीर्षक दिया है “हरमगेदोन, दूसरा आगमन और अनंत भविष्य, प्रकाशितवाक्य १४-२२”। मेरे मेहमान हैं: डॉ एड हिंड्सन, लिबर्टी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ रिलीजन के डीन और धर्म के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, और ४० से अधिक पुस्तकों के लेखक। डॉँ मार्क हिचकॉक बाइबल प्रतिपादन के सहयोगी प्रोफेसर हैं डलास थियोलॉजिकल सेमिनरी मे। वे बाइबिल की भविष्यवाणी पर ३० पुस्तकों के लेखक हैं, और फेत बाइबल चर्च के वरिष्ठ पाज़बान हैं। डॉ रॉन रोड्स भि डलास थियोलॉजिकल सेमिनरी में पढाते हैं, और रीज़निंग फॉर द स्क्रिप्चर्स मिनिस्ट्रीज़ के अध्यक्ष हैं। इन्होंने भविष्यवाणी पर लगभग ७० पुस्तकें लिखी है। आइए जुड़िए हमारे साथ जॉन एकरबर्ग शो के इस विशेष संस्करण में।

*****

डॉ जॉन एंकरबर्ग: हमारे कार्यक्रम में आपका स्वागत है। मैं हूँ जॉन एंकरबर्ग, आज आज मेरे साथ जुडने के लिए धन्यवाद। हम प्रकाशितवाक्य की महत्वपूर्ण पुस्तक के बारे में बात कर रहे हैं, ठीक है, कलीसीया के लिए यीशु के आखिरी शब्द। हम चर्चा तीन महान विद्वानों के साथ कर रहे हैं, और हम अध्याय दर अध्याय जा रहे हैं इस उम्मीद के साथ की आपको बता पाएं कि यह जानकारीयाँ कितनी महत्वपूर्ण है । और, एड, उन लोगों के लिए थोडी पृष्ठभूमि बताऐं, जो पहली बार हमसे जुड़ रहे हैं, कि हमने अब तक क्या कुछ देखा समझा है और हम प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के किस बिंदु पर हैं ।

डॉ एड हिंड्सन : ठीक है, जॉन हमने अध्याय १ के साथ शुरुआत की, किताब की प्रस्तावना। यीशु पतमोस द्वीप पर युहन्ना पर प्रकट होते हैं, उन्हें प्रकाशितवाक्य की किताब लिखने ***कि आज्ञा देते हैं / के लिए प्रतिबद्ध करते हैं***, जहां स्वयं यीशु प्रकाशन दे रहे हैं । फिर, दूसरी बात, हमने एशिया माइनर में सात कलीसीयाओं को लिखे पत्र पर बात कि। और फिर, तीसरा, हमने इस समस्या को देखा जो कि पुस्तक में हल किया जाना है: सात सीलबंद पुस्तक। वह जो आराधना के योग्य हैं क्योंकि उनके पास दिव्य अधिकार है, वे पिता के पास आते हैं की उस पुस्तक को ले सकें, उस मुद्रा को तोड़े, न्याय की घोषणा करें, और पृथ्वी पर स्वर्ग राज्य की स्थापना करें । और यही हमने पुस्तक में देखा है। समस्या हल हो गई क्योंकि ***मसीह मेम्ना प्रकट हुआ / मसीह मेम्ने प्रकट हुए***।

और फिर हमने देखना आरंभ किया उन सात मुद्राओं के विषय और वह न्याय जो आया वह मैंने का क्रोध था। और फिर हमने देखा उन सात तुरहियों के विषय और जो न्याय उसके बाद आए। और फिर हम किताब के बीचो-बीच रुक गए, १२वीं और १३वीं अध्याय में, और वहां हमने सात प्रतिबिंबित खिलाड़ियों को देखा, जिन्हें अंत के समय के खिलाड़ियों के तौर पर प्रकाशितवाक्य की पुस्तक प्रस्तुत करती है। और फिर हम अंतिम साथ विपत्तियों पर बढ़े कटोरे का न्याय जो कि अंत के करीब बड़ी तीव्रता से आता है।

१४वें अध्याय में हम आने वाली चीजों का पूर्वावलोकन देखते हैं। इस अध्याय में बाबेल के पतन का वर्णन है। १५वें अध्याय में ७ विपत्तियों का परिचय दिया गया है जब स्वर्गदूत आते हैं एक- एक कटोरे के साथ जिसे वे परमेश्वर के महान न्याय में डुबोकर लाए हैं। और फिर हम १६वें अध्याय की शुरूआत में ७ कटोरे के न्याय की प्रगणता को देखते हैं। और वचन यूं बयान करता है, "और इनमें परमेश्वर का क्रोध भरा हुआ था"। तो अगर आप पीछे छूट गए हैं, आप मेम्ने के क्रोध के नीचे थे, फिर शैतान का क्रोध, और अब परमेश्वर पिता के क्रोध के तले।

एंकरबर्ग : हां, तो अब मैं मार्क से पूछना चाहूंगा उन घटनाओं के विषय, जो एक प्रकार की प्रस्तावना है, भूमिका है, आने वाली घटनाओं कि। और मैं आपसे यह पूछना चाहूंगा, यीशू ने हमें यह एक गर्भवती स्त्री के उदाहरण द्वारा यह समझाने की कोशिश की। हमें बताएं यह घटना उससे कैसे संबंधित है।

हिंड्सन : यकीनन, हम सभी जो पिता हैं बहुत अच्छी तरह जानते हैं हमारी पत्नियों ने वह समय कैसे गुजारा होगा। प्रसव पीड़ा धीरे-धीरे शुरू होती है, और बढ़ने लगती है, अधिक बढ़ जाती है, और फिर तीव्र- बेहद तीव्र, अधिक तीव्र - जब तक कि बच्चा बाहर नहीं आ जाता। मुझे लगता है उनके कहने का मतलब है, यह अंत के परिणाम आने वाले हैं। और उनकी शुरुआत धीरे-धीरे होगी, पर फिर वह तीव्र होते चले जाएंगे, बड़े गतिमान तरीके से, और वह अंतिम न्याय, जैसे कि कटोरे का न्याय, लगता है वह एक के बाद एक होते चले जाएंगे, लगभग एकदम तुरंत एक के बाद एक। यह ऐसा है मानो एक भयानक विस्फोट जिसने पूरे संसार को विलुप्त होने के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया हो।

एंकरबर्ग : हां। और मार्क, आपने कहा था यहां कुछ छोटे-छोटे विवरण दिए गए हैं जिन्हें हम पूर्वावलोकन या इत्ला के तौर पर ***देख सकते हैं / समझ सकते हैं***।उनके बारे में कुछ बताएं।

डॉ मार्क हिचकॉक : हां, यह ऐसा है मानो जब आप एक फिल्म देखने जाते हैं और वह आपको आने वाली फिल्म के कुछ अंश दिखाते हैं कि उसमें क्या होने वाला है। वही है १४वाँ अध्याय। वह हमें आने वाली घटनाओं का पूर्वावलोकन देता है। और मुझे पहला पसंद है, क्योंकि वह हमें बताता है १४४००० के विषय, जिनकी हमने प्रकाशितवाक्य ७ में बात की थी वह पूरे दौर के दौरान बचाए गए हैं। यह हजार साल के राज्य और मसीह के

दोबारा आगमन को दर्शाता है। आप कहेंगे, “अरे अब वे पुस्तक के इस भाग में क्यों हैं?” देखिए क्योंकि पिछला अध्याय, अध्याय १३, पशु और झूठे भविष्यवक्ता के विषय था। उसे पढ़ने के बाद आप सोचने लगेंगे क्या वाकई मनुष्य इस से पार पा पाएगा ? और आप आगे बढ़ते हैं और वहां आप मेमने को उन १४४००० लोगों को के साथ देखते हैं,

जो यह दर्शाता है कि परमेश्वर उस पूरे काल के दौरान उन्हें सुरक्षित रखेंगे।

हमने १४वें अध्याय में पढ़ा, वहां हमेंने पशु के अनुयायियों के विषय देखा कि जो उसका अनुकरण करते हैं उन्हें आग के कुंड में डाला जाएगा। और उन्हें यातना सहनी पडेगि, वहाँ लिखा है, हमेशा हमेशा के लिए। वहां हमें बताया गया है कि कैसे परमेश्वर धर्मियों की रक्षा करेंगे। वहां बताया गया है बाबेल के विनाश के विषय वास्तव मे जो कि अध्याय १७ और १८ में हम देखते हें।

और फिर इस अध्याय का अंत होता है एक बहुत बड़ी फसल कटाई के साथ जो कि पृथ्वी पर होती है, जिसे मैं समझता हूं कि वह कटोरे के न्याय का उंडेल आ जाना है। और फिर अंततः हम देखते हैं एक महायुद्ध के दृश्य को जहां घोड़े की छड़ी पर लहू को ***फेंका गया है / उंडेल आ गया है***, जो अरमगेदोन की तस्वीर को प्रदर्शित करता है जिसे हम १९वें अध्याय में देखेंगे। तो यह सभी कुछ एक पूर्वानुमान या झलक दिखाने की तरह है कुछ मुख्य घटनाओं के, जो कि इस पुस्तक में आगे होने वाले हैं।

एंकरबर्ग : अब, रॉन, हम यहां एक अंतराल देखते है; हम बात कर रहे थे ***खिलाड़ियों / किरदारों*** की; पर अब हम आते हैं अंतिम कटोरे के न्याय पर जो वास्तव में परमेश्वर का क्रोध है जो पृथ्वी पर उतर रहा है। और वह संसार के कुछ भागों में ही नहीं दिख रहा। यह संसार के हर क्षेत्र पर दिख रहा है, हे ना ? तो वास्तव में हथोड़ा यहीं पर पड़ता है।पहला कटोरे का न्याय क्या है ?

डॉ रॉन रोड्स : देखिए, पहले ही परिस्थितियां काफी बिगड़ चुकी हैं; इस समय बदतर हो चुकी हैं। पर पीड़ा और बढ़ने वाली है, पहला कटोरे का न्याय में लोगों पर किसी प्रकार के दर्द भरे फोड़े होंगे। लोगों के पूरे शरीर पर यह दर्द भरे फोड़े होंगे और यह कहना गलत नही होगा वो ठीक नहीं होने वाले।

एंकरबर्ग : ठीक है। दूसरा कटोरे का न्याय क्या है ?

हिचकॉक : जानते हैं, इन कटोरों के न्याय की एक बेहद आकर्षक बात, मैं जल्दी से इसे बताना चाहूंगा, इन कटोरों के न्याय और मिस्र के विपत्तियों के बीच काफी समानताएं हैं जिन्हें परमेश्वर ने भेजा था।

एंकरबर्ग : वाकई। जैसे कि ?

हिचकॉक : देखिए, उस समय एक फिरौन था जो कहता है, "अरे परमेश्वर कौन है कि ***मुझे उसकी सेवा करनी पड़े / मै उसकी सेवा करूँ***?" यह ऐसा ही है जैसा मसीह विरोधी अंत के समय कहेगा। "परमेश्वर कौन है? परमेश्वर कौन है कि मैं उनकी सेवा करूं?" वास्तव में, वह खुद को हि ईश्वर का दर्जा दे देता है। प्रकाशितवाक्य १५ में आप मूसा के एक गान के जिक्र को पाते हैं जो कि हमें निर्गमन की बात याद दिलाता है। प्रकाशितवाक्य १५ में आप कांच के समुद्र का जिक्र पाते हैं, जबकि निर्गमन की पुस्तक में आप लाल समुद्र का जिक्र देखते हैं। इन में काफी समानताएं हैं। इन्हें यहां पर विपत्तियां कहा गया है, सात विपत्तियां; वहां पर १० विपत्तियां थे। इसे देख ऐसा लगता है कि परमेश्वर कह रहे हों, "जानते हो, अभी हमारे पास बिल्कुल उस समय के मिश्र के जैसी ही परिस्थिति है। एक ऐसा इंसान है जो अपने आप को ईश्वर जताता है और नहीं मानता कि मैं ही सच्चा परमेश्वर हूं।" और आप यकीनन ऐसा कह सकते हैं परमेश्वर उन विपत्तियों को दोबारा उंडेल रहे हैं। और इन कटोरों के न्याय में दूसरा है समुद्र के जल का लहू में तब्दील होना। फिर से, यह बिल्कुल वैसा ही है जब नील के नदी के पानी को लहू में बदल दिया गया था।

एंकरबर्ग : हां. अब पूरे समुद्र शामिल है।

हिचकॉक : हां, सारे समुद्र शामिल है। तो हम यह समझ सकते हैं कि यह कटोरे का न्याय पीड़ा काल के अंत के आस-पास ही होना चाहिए, क्योंकि जीवन यापन करना बहुत अधिक कठिन हो जाएगा इस न्याय के दौरान।

एंकरबर्ग : फिर अगला क्या है?

रोड्स : देखिए, अगर यीशु दोबारा नहीं लौटते, हां, ग्रह अपने आप को ही नष्ट कर लेंगे ; लोग अपने आप को नष्ट कर लेंगे। और मेरे लिए दिलचस्प यह है, ७ कटोरे का न्याय मूल रूप से उन्हीं चीजों पर उतर रहा है जिन पर ७ तुरही का न्याय उतरा था। केवल इतना कि तुरही के न्याय ने संसार के एक तिहाई भाग को प्रभावित किया था, और यह पूरे ग्रह को प्रभावित कर रहा है। सबसे पहला प्रभाव भूमि पर है, दूसरा समुद्र और महासागर पर, तीसरा नदी और पानी के स्रोत पर, चौथा वायु और सूर्य पर। और सूर्य वायुमंडल को जला रहा है, ओजोन लेयर से बढ़कर लोगों को झुलसा रहा है।

यह दोबारा आपको किसी परमाणु हमले जैसी तस्वीर ही बयान कर रही है जिससे लगभग पूरा वायुमंडल और पृथ्वी बर्बाद हो चली है।

एंकरबर्ग : ठीक है। अगला कटोरे का न्याय क्या है ?

रोड्स : अगला है पृथ्वी पर अंधकार और ***दर्द का आना / समा जाना***। दरअसल ,यहां ऐसा कहा गया है :

"पांचवें स्वर्गदूत ने अपना कटोरा पशु के सिंहासन पर उंडेला और उसका राज्य अंधकार में हो गया; और वे अपने दांत पीसने लगे दर्द की वजह से।" और हम जानते ही हैं, लोग दांत कब पीसते हैं, अत्यधिक पीड़ा के समय। तो यहां हम बयान पाते हैं लोगों के दर्दनीय स्थिति का।

एंकरबर्ग : ठीक है। अब अंतिम कटोरे में क्या हो रहा है, हमें बताएं ?

हिचकॉक : देखिए अंतिम कटोरा जो है उसे कहा गया है अरमगेदोन। यह एक पद है जिसका उपयोग अक्सर लोग कर रहे हैं। यह पद लगभग हमारी दिनचर्या का भाग बन चुका है जहां अक्सर लोग इसका इस्तेमाल करते हैं संसार के अंत को दर्शाने या किसी बुरी घटना की ओर इशारा देने। और कई लोगों को इसका एहसास तक नहीं कि अरमगेदोन वास्तव में एक जगह है।

यहां बताया गया है कि छठवें कटोरे के समय, यूफ्रेट्स नदी सूख जाएगी पूर्व से आने वाले राजाओं को इसराइल में पहुंचने के लिए जगह देने रास्ता देने। अब हम स्पष्ट नहीं जानते कि पूर्व के वे राजा कौन हैं। उल्लेख बहुवचन में है। हम इतना जानते हैं कि उन्हें यूफ्रेट्स नदी के पूर्व से आना है, क्योंकि उस नदी को सुखना है ताकि वह वहां

से अंदर दाखिल हो सके। तो ऐसे नदी सूखेगी, और ये पूर्व से आए राजा वहां से इसराएल में दाखिल होंगे। और ऐसा लगता है वह इसराइल में आ रहे हैं कि इसराइली वंश को हमेशा हमेशा के लिए खत्म कर दें।

और उस समय मसीह विरोधी वहां आएगा। और वह स्वयं अपनी फौज की अगुवाई करेगा इस भयानक चहुंमुखी युद्ध में जो होने पर है। तो वे वहां पर इकट्ठे होंगे। और अरमगेदोन इसराइल के उत्तर में एक वास्तविक स्थान है। इसे हर-मागिदोन, या मगिद्दो पर्वत के नाम से जाना जाता है। यह एक बड़ी घाटी के बीच में है जो कि लगभग २० मील लंबा और १४ मील चौड़ा है, जिसे नेपोलियन ने विश्व का सबसे बेहतर युद्धक्षेत्र कहा था। और वहीं पर युग की अंतिम लड़ाई लड़ी जाएगी। पर उसी के बीच में, यीशु स्वर्ग से वापस आएंगे, जिसके विषय हम प्रकाशितवाक्य १९ में देख सकते हैं। और इसी के साथ यह उन तमाम शक्तियों के अंत का भी समय होगा जो इसराइल में इकट्ठे हुई है।

एंकरबर्ग : ठीक है। तो अभी हम ब्रेक लेने जा रहे हैं और जब हम वापस आएंगे हम शुरुआत करेंगे अरमगेदोन की लड़ाई के साथ। यह लड़ाइयों की एक पूरी श्रृंखला है: वह क्यों हो रही है, कितने लोग इसमें शामिल हैं, अंततः यीशु क्या करते हैं। तो हमारे साथ बने रहें, जल्दी वापस आ रहे हैं।

*****

एंकरबर्ग : ठीक है, दोबारा स्वागत है आपका। हम डॉ एड हिंडसन से बात कर रहे हैं, डॉ मार्क हिचकॉक और डॉ रॉन रोड्स से बात कर रहे हैं। हम एक ऐसे विषय पर बात कर रहे हैं जिसके बारे में हर कोई जानना चाहता है। अरमगेदोन में क्या होगा ? अरमगेदोन क्या वास्तव मे होगा ? क्या पूरा संसार युद्ध करने वाला है ? बाइबल इसके विषय क्या कहती है ? यह बेहद रोचक है कि केवल एक ही जगह बाइबल अरमगेदोन के विषय बात करती है, और वह बिल्कुल स्पष्ट रुप से आपको बताती है क्या होने वाला है। एड, इस विषय हमें बताएं।

हिंड्सन : देखिए, जब हम उन कटोरे के फैसले के अंत में आते हैं, वचन कहता है कि संसार की सेनाएं एक जगह पर एकत्रित हो रही है। संसार एक आखरी महान महा युद्ध की तैयारी कर रहा है जिसे इब्री जबान में हर-मगेदोन कहते हैं। यह नाम पूरे बाइबल में केवल एक ही बार आया है, प्रकाशितवाक्य १६:१६ मे। पर हर कोई

अरमगेदोन के बारे में बात करता है, इसके बारे में सोचता है, इसके बारे में चिंतित है, इसके बारे में व्याकुल है। इसका उल्लेख बाइबल में केवल एक बार किया है। लेकिन यह एक समय नाटकीय है, क्योंकि इसी समय वह अंतिम कटोरा वायुमंडल पर उंडेल आ गया है। एक भीषण भूकंप आता है और परमेश्वर बोलते हैं अपने स्वर्गीय सिंहासन से और कहते हैं, "पूरा हुआ!" यह वह कथन नहीं है जो यीशु ने कहा था जब वे हमारे पापों के कारण क्रूस की मृत्यु झेल रहे थे, “यह पूरा हुआ, तुम्हारा प्रायश्चित पूरा हो चुका है।”। यह वह नहीं है। यह अंत है। यह तमाम भविष्यवाणियों की पराकाष्ठा है, तमाम न्याय विधि की भी। यह अंत है। और अब मंच सज चुका है विवरणों के लिए, बाबेल के पतन के लिए, मसीह के दोबारा आगमन के लिए, और वास्तव में अरमगेदोन में क्या होगा,

उसके लिए।

एंकरबर्ग : ठीक है, मार्क, अरमगेदोन की इन लड़ाइयों के कुछ स्पष्ट विवरणों में बात करते हैं, जिन्हे सारांशित किया जा सकता है " अरमगेदोन के युद्ध" के रूप में। मुझे बताएं वास्तव में क्या होगा।

हिचकॉक : एक खास बात की और आपका ध्यान बंटाना चाहूंगा। कई सारे लोग अरमगेदोन को प्रतीकात्मक तौर पर लेते हैं। वे कहते हैं, हमें बताएं, “हम यह कैसे मान लें कि यहां बात एक वास्तविक स्थान की हो रही है?” जब आप पीछे मुड़कर प्रकाशितवाक्य की पुस्तक पर विचार करते हैं, यूहन्ना पत्मोस टापू पर थे। हम इसे वस्तुतः मानते हैं। सात कलीसियाओं के नामों को भी हम हूबहू स्वीकारते हैं। अर्थात, एक तरह ,से इस पुस्तक की चीजों को हुबहू लेने का हमे अधिपत्र दिया गया है। यह एक वास्तविक जगह है इस्राइल के उत्तर की ओर। यह एक घाटी है, एस्केरसुलन की घाटी, एस्केरसुलन के मैदान,अरमगेदोन की घाटी, यह उत्तरी इज़राइल में एक वास्तविक जगह है।

तो, अब क्या होने वाला है पर, मैं मानता हूं, वहां पर मसीह विरोधी अपनी सेना को इकट्ठा करेगा। और जब हम वचन के दूसरे भागों में देखते हैं, जैसे कि योएल ३,वहां लिखा है कि परमेश्वर उन्हें यहोशापाथ की घाटी पर इकट्ठा करेंगे, उस निर्णायक दिन पर। और कई मानते हैं कि वह यरूशलेम के पूर्व की ओर किद्रोन घाटी है। और

यह अरमगेदोन की लड़ाई पूरे इसराइल भर में फैलेगी। क्योंकि याद रखें,१४वें अध्याय के अंत में लिखा है की घोड़े की छड़ी से १८४ माइल तक लहू बहेगा, या १८५ माइल तक,

जो कि पूरे इसराइल की लंबाई है।

तो इसराइल, पूरा देश, युद्ध में जकड़ा हुआ होगा। और पूरे जगत की सेना वहां पर एकत्रित होगी। वहां जिक्र है पूर्व के राजाओं का। यूफ्रेट्स नदी राष्ट्रों के इस समूह के लिए सूख जाती है, पूर्व के देशों का समूह, ताकि वे भीतर आ सके। पर वहां पर यह लिखा है कि संसार का हर देश वहां पर इकट्ठा होगा उस युग के अंतिम महा युद्ध के लिए।

एंकरबर्ग : प्रश्न। क्या अमेरिकी फौज भी वहां होगी?

हिचकॉक : हां, अगर हम वचन को हुबहू लें, तो वे भी वहां होंगे। और हम जो अमेरिकी हैं और उस देश से प्रेम करते हैं, इसे कुबूल कर पाना, कठिन है। पर, हां। कलीसिया के उठा लिए जाने के बाद, विश्वासियों को संसार से उठा लिया गया है, अमेरिका भी इस्राएल से अपना मुंह मोड़ लेगा और उसकि खिलाफत करने वालों से हाथ मिला लेगा, कह सकते हैं, शैतान से, यहूदी विरोधी भावना से, की यहूदी वंश को पूरी तरह मिटा दिया जाए। क्योंकि मुझे लगता है वह समझ गया है कि यीशु का आगमन निकट है। इसीलिए वह हर संभव प्रयास करेगा, यहूदियों को नाश करने का प्रयास, यहूदियों को हमेशा-हमेशा के लिए सिरे से खत्म करने का एक अंतिम प्रयास। पर वहां एकत्र तमाम देशों के लिए एक आश्चर्य इंतजार कर रहा है।

हिंड्सन : हां। जॉन, यह एक और कारण है कि आप पीछे छूटना नहीं चाहेंगे। आप अपने आप को मसीह विरोधी की सेना में मसीह का विरोध करते हुए पाएंगे, उनके वापस आते समय आप वहां हैं, एक शब्द के साथ, मसीह विरोधी की पूरी सेना को वे नाश कर देते हैं।

रोड्स : और क्या आपको याद है हमने पहले अध्याय में क्या देखा था ? हमने मसीह पर बात की थी। और हमने मसीह के कुछ गुणों को समझने का प्रयास किया था। और उनके पास ऐसी दृष्टि है जिससे वह सब कुछ स्पष्ट देख सकते हैं। इन्हें परत-दर-परत खुलते मसीह देख रहे हैं। और जब यह सेनाएं यरूशलेम की और फिरती हैं, यरूशलेम को नाश करने, मसीह अपनी दृष्टि के द्वारा सब देखते हैं, और जब वे दक्षिण में इस वंश के खिलाफ

बढ़ते हैं ,लगभग ८० माइल दक्षिण में, मसीह देख रहे हैं। और यह मसीह के दूसरे आगमन का कारण ***होता है / बनता है***। दरअसल, हम मसीह के दूसरे आगमन को एक बचाव अभियान के तौर पर मान सकते हैं। क्योंकि वे मसीह को पुकारते हैं, पुनर्जन्म पाकर, पहली बार प्रभु पर विश्वास करते हुए, अचानक समझ पाते हैं कि यीशु ही वह मसीहा हैं। उनकी आंखों से उनका पापमय अंधापन दूर हो जाता है, और वह समझ पाते हैं कि यीशु कौन है। और जब वे उन्हें पुकारते हैं, यीशु वापस आते हैं और दरअसल वे उन्हें बचाते हैं।

एंकरबर्ग : आप एक लिबरल कलीसिया में बढ़े हुए,...

रोड्स : जी हां।

एंकरबर्ग : ... जो इन बातों पर विश्वास नहीं करते, ना इस पर प्रचार करते हैं, ना ही चाहते हैं कि आप इन्हें सीखें। आप तो एक मसीही तक नहीं थे। आप इस चर्च को जाते थे। तो यह सब कैसे बदला?

रोड्स : दरअसल, देखिए, मुझे लगता था मैं एक मसीही हूं। क्योंकि मुझे लगता था चर्च जाना, समाज में अच्छे काम करना, आपको एक अच्छा मसीही बनाता है। और उनका कहना है मसीह का दूसरा आगमन तब होता है जब एक व्यक्ति उन्हें अपने हृदय में बुलाता है; की बाइबल भी प्रेरित है जैसे शेक्सपियर है; यह पढ़ने में प्रेरणादायक ,है समझ रहे हैं, इसलिए मैं ज्यादा नहीं जानता था।

पर बाइबल की भविष्यवाणियों ने मुझे उत्साहित किया। दरअसल उस समय मै हॉलीवुड में था। एक हॉलीवुड करियर की तलाश में। और मैं बहुत सारे प्रख्यात शो जैसे द टुनाइट शो और मेर्व ग्रिफिन और दीना शोर जेसै कई सारे अन्य शो करता था। और गौर कीजिए, मैं वहां पैट बून और उनके परिवार के साथ काम कर रहा था। और वे बाइबल भविष्यवाणियों कि बात करते थे जिसके बारे मैने नहीं सुना था। तब मैं कलीसिया के उठाए जाने के विषय सीखने लगा, दूसरे आगमन के विषय, मसीह विरोधी और पीड़ा काल के दौरान क्या कुछ होगा, वगैरह। और संक्षेप में कहूं तो, यही सब करते-करते मैं एक विश्वासी बन गया। शीघ्र ही मेरे भाई और बहनें भी विश्वास में आ गए। कुछ वर्षों बाद मेरे माता पिता भी विश्वास में आए। तो ऐसे, परमेश्वर ने बाइबल भविष्यवाणियों द्वारा मेरे परिवार में महान कार्य किया।

एंकरबर्ग : इस कहानी को हम जारी रखते हैं, मैं चाहता हूं लोग इसे सुनें, क्योंकि ऐसे कई सारे लोग हैं जो चर्च में बैठे तो हैं पर उनके पाज़बान, विभिन्न वजहों से, बाइबल भविष्यवाणियों पर प्रचार नहीं करते। तो हो सकता है आप पहली बार यह सुन रहे हो। और आप कह रहे हो, "क्या कोई और भी है जो इस पर विश्वास करता है?" जी हां, दुनिया भर में हजारों की तादाद में मसीही इस बात पर यकीन करते हैं। और सबसे प्रमुख, यह आपके बाइबिल में है। आपको बाइबल पढ़ना चाहिए। और अगर आप पढ़ेंगे ,हमारी कही हुई बातों को आप वहां पाएंगे। हम केवल वही कह रहे हैं जिसे बाइबल प्रत्यक्ष करती है, ठीक है ? अगर परमेश्वर ने इसे दिया है, अगर यीशु वास्तव में चाहते हैं कि हम यह जाने, तो यकीनन आप इसे जानना चाहेंगे समझना चाहेंगे।

ठीक है, तो हम समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं। और ऐसा क्यों है कि मसीह विरोधी शैतानी प्रतिनिधियों को भेजता है देशों को इकट्ठा करने, नेताओं को साथ लाने? वो ऐसा क्या संदेश दे सकते हैं, कि उन्हें पवित्र भूमि पर एकत्र किया जा सके?

हिचकॉक : देखिए, ऐसे कई चिन्ह और चमत्कार हैं जो वे करते हैं। वे कई झूठे चिन्ह और चमत्कार करते हैं। वे इन चमत्कारों को होता देखते हैं। पर देखिए, शायद हो सकता है, "कैसे भी हो हमें यहूदियों को खत्म करना है।" क्योंकि, शायद यह जो कुछ हो रहा है, इन सबके होने का कारण, वो लोग ही हैं। वे दों गवाह जिनके विषय हमने पहले बात की थी, मूसा और एलिया आते हैं, इस न्याय विधी को नीचे बुलाते हैं, प्रभु के ये १४४००० यहूदी प्रतिनिधि बाहर जा प्रचार करते हैं। तो ऐसा हो सकता है, कि यहूदी लोगों को एक प्रकार से कांटा समझा जाने लगे, और अगर हम इन्हें हमेशा हमेशा के लिए खत्म कर सकते हैं, तो संसार में सब कुछ ठीक हो जाएगा। हमें सही-सही तो नहीं पता। पर किसी ना किसी प्रकार का झूठा संदेश बाहर जाता है विश्व को यहूदियों के खिलाफ एकत्रित करने के लिए।

एंकरबर्ग : तो ऐड, इसे सारांशित करें ,लगभग १ मिनट बचा है। हमें बताएं, सच्चाई यह है, लगभग दो तिहाई यहूदियों ने मसीह को नकारा था और एक तिहाई यीशु को अपना मसीहा स्वीकारते हैं जिन्होंने पहले उन्हें नकारा था। पर अब सभी उन्हें स्वीकारते हैं ।वे निर्जन प्रदेश में है; वे उन्हें पुकारते हैं। और अब उनके विरुद्ध यह

अरमगेदोन की लड़ाई है। उनकी संख्या बहुत कम है। पूरा संसार उनके विरोध में है। तब क्या होता है? यीशु वापस आते हैं।

हिंड्सन : जब यीशु वापस आते हैं, बाइबिल हमें बताती है कि वे अपने मुंह के तलवार के साथ आते हैं। हथियार नहीं, बंदूक, तोप, बम। वे बस बोलते हैं। वे, जिन्होंने महज़ अपने बोल द्वारा, सृष्टि के समय, संसार को अस्तित्व दिया, बोलेंगे, और मसीह विरोधी की सेना का सफाया हो जाएगा, और पशु और झूठे भविष्यवक्ता को जिंदा आग के कुंड में फेंक दिया जाएगा। अंततः मसीह का विजयी प्रभुत्व कायम होगा। वह वापस आते हैं और स्वर्ग से साथ लाते हैं, जैसा कि हम अगली बार देखेंगे, उन्हे जिन्हें वे अपने साथ कलीसिया के उठाए जाने के समय ले गए थे। अब कलीसिया सताई हु,ई नकारी हुई, दुखी कलीसिया नहीं है। बल्कि अब वह विजयी कलीसिया है, स्वर्ग से अपने विजयी योद्धा पति के साथ आति है, जिसने अरमगेदोन के युद्ध को जीता है। और फिर भी यह एक ऐसी लड़ाई है जिसमें लगभग कोई लड़ाई है ही नहीं। नियंत्रक वे ही हैं। वे ही है जो वचन बोलते हैं। वे ही है जो आपकी आत्मा से बात करना चाहते हैं, आपके मन से, आपके दिमाग से। और वे आप से कहते हैं, “मेरे पास आओ मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।”

एंकरबर्ग : हां। और मित्रों, बाइबल यह भी कहती है, “जो कोई प्रभु के नाम को पुकारेगा उद्धार पाएगा।” उद्धार वे ही देते हैं, पर वे आपका इंतजार करते हैं कि आप उन्हें उद्धार के लिए पुकारें। आपको यह समझना और मानना होगा कि आप पापी हैं। आपको यह कबूलना होगा की यीशु आपके पापों के खातिर मारे गए। और अगर आप उनसे कहेंगे, वह आपके जीवन में आएंगे वह आपको क्षमा देंगे और आपके जीवन को बदलेंग। और तब यह तमाम घटनाएं, बुरी घटनाएं, पीड़ा का काल, आप उसके भागी नहीं बनेंगे क्योंकि उससे पहले ही आप स्वर्ग में उठा लिए जाएंगे। तो मैं यह आशा करता हूं कि आप प्रभु से अभी यह प्रार्थना करें, इसी वक्त, और अधिक ना टालते हुए। प्रभु से कहें कि वे आपके जीवन में आएं। और अगर आप चाहते हैं, वे तुरंत ही ऐसा करेंगे।

अगले हफ्ते हम बात करेंगे, ठीक है, क्या हो रहा है अगले हफ्ते? यीशु बोलते हैं; और पूरी की पूरी सेना नष्ट हो जाती है। फिर क्या होता है? अब हम हजार वर्ष के राज्य में प्रवेश कर रहे हैं। हम बेहद रोचक बात की ओर बढ़ रहे हैं। अगले हफ्ते हम इस पर चर्चा करेंगे।

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2016 ऋच्ड्ढक्ष्